B.A. (Honours) Semester I Examination, 2014
HINDI
Paper : H-2

Time : Three Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 8×2=16

(क) तत्तिलक तिहुँ लोक में, राम नाम निज सार।
जन कबीर मस्तक दीया सोभा अधिक अपार।।
भगति भजन हरि नाँव है, दूजा दुक्ख अपार।
मनसा बाचा क्रमनां, कबीर सुमिरण सार।।

(ख) हमारे निर्धन को धन राम।
चोर न लेत, घटत नहिं कबहूँ, आवत गाढ़ै काम।
जल नहिँ बूड़त, अगिनि न दाहत, है ऐसौ हरि नाम।
बैकुँठनाम सकल सुख-दाता, सूरदास-सुख धाम।।

(ग) रिषिनारि उधारि, कियो सठ केवटु मितु पुनीत, सुकीर्ति लही।
निजलोकु दियो सबरी-खग को, कपि थाप्यो, सो मालुम है सबही।।
दससीस-बिरोध सभीत बिभीषनु भूपु कियो, जग लीक रही।
करूनानिधिको भजु, रे तुलसी! रघुनाथ अनाथके नाथु सही।।

(घ) माई री म्हा लियाँ गोवन्दाँ मोल।।
थें कह्याँ छाणे म्हाँ कचोड़े लियाँ बजन्ता ढोल।
थें कह्याँ मुँहौधो म्हाँ कह्याँ सुस्तो, लिया री तराजां तोल।
तण वाराँ म्हाँ जीवन वाराँ वाराँ अमोलक मोल।
मीराँ कूँ प्रभु दरसण दीज्याँ पूरब जणम को कोल।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए– 12×2=24

(क) कबीर की रहस्यभावना पर प्रकाश डालिए।

(ख) सूर की वात्सल्य-भावना पर विचार कीजिए।

(ग) 'कवितावली' में वर्णित कलियुग पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(घ) पठित पदों के आधार पर मीरा की काव्यगत विशिष्टताओं को निर्दिष्ट कीजिए।